

श्रीविजयने नरान्
प्रणामी साहित्य संग्रह

शब्द खंड, ज्ञान तिलक, पंचक प्रकाश

जिसमें

श्रीस्वामी मकन्ददाम आदि अनेक प्राचीन
महात्माओं के चुने हुये टुकसारा शब्द
तथा ज्ञान तिलक श्री जीवन मस्तान
की पंचकें इत्यादि अनेक चीजों का
संग्रह है जोकि अनेक प्राचीन
स्थान तथा कुटियों से बड़े
परिश्रम के साथ प्रेमो
सज्जनों के हितार्थ एकत्रित
कर प्रकाशित किया है।

संग्रहीता तथा प्रकाशक-

परिदत्त अम्बरदत्त शास्त्री

रा मोगल केन्ट कानपुर।

दिल ऐत गोविंद प्रेस कानपुर में कपा

[१०००] सन् १९२६ ई० [न्यो द्राव १९२६]

८११.२१

अम्ब/प्र

सर्वाधिकार स्वामिन।